पानी के सैंपल की जाँच में उत्तर प्रदेश देश में नंबर वन

चर्चा में क्यों?

हाल ही में जारी जलशक्ति मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक पानी के सैंपल की जाँच में उत्तर प्रदेश देश में पहले स्थान पर पहुँच गया है। उत्तर प्रदेश ने छत्तीसगढ़, केरल, झारखंड, उड़ीसा और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों को पानी के सैंपल की जाँच में पीछे छोड़ दिया है।

प्रमुख बिंदु

- उत्तर प्रदेश के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने बताया कि प्रदेश की महिलाओं ने 20,756 गाँव में 11,97,890 पानी के सैंपलों की जाँच पूरी कर ली है। एफटीके किट से की गई जाँच में 69,279 पानी के सैंपल दूषित पाए गए हैं। 12,919 जगह आवश्यक कार्रवाई की गई है।
- भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार छत्तीसगढ़ में 17,823 गाँव में महिलाओं ने 11,60,940 पानी के सैंपल की जाँच की है और वह दूसरे स्थान पर है। एफटीके किट से पानी जाँच के मामले में तीसरे नंबर पर केरल, चौथे पर ओड़ीसा और पाँचवें स्थान पर मध्य प्रदेश है।
- राज्य सरकार की निरंतर निगरानी व नमामि गंगे और ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की कार्ययोजना ने उत्तर प्रदेश के इस अभियान को नई रफ्तार दी है। कुछ दिनों पहले तक शीर्ष 10 से बाहर रहने वाले उत्तर प्रदेश ने तेजी से आगे बढ़ते हुए देश में नंबर एक स्थान पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है।
- जन-जन तक नल से शुद्ध पानी पहुँचाने के लिये राज्य सरकार ने प्रदेश भर के हर गाँव में पाँच-पाँच महिलाओं को पानी जाँच के लिये प्रशिक्षित करने का अभियान भी शुरू किया है।
- राज्य सरकार का उद्देश्य राज्य के हर घर तक नल से जल पहुँचाने के साथ लोगों को शुद्ध पानी मुहैया कराना है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/uttar-pradesh-in-testing-water-samples